यूसर्क द्वारा आयोजित युवा महिला वैज्ञानिक कान्क्लेव एवं सम्मान समारोह में माननीय राज्यपाल महोदय का संबोधन

(14 दिसम्बर 2022)

जय हिन्द!

आज इस समारोह में आप सभी वैज्ञानिकों और विज्ञान में रूचि रखेने वाले छात्र–छात्राओं और विशेषज्ञों के बीच आकर मुझे अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है।

आज का यह युवा महिला वैज्ञानिक कान्क्लेव और सम्मान समारोह अपने आप में एक बहुत ही विशिष्ट आयोजन है।

मातृशक्ति और हमारी बेटियों की बौद्धिक उच्चता को प्रदर्शित करने वाला है।

आज हमारा यह 'युवा महिला वैज्ञानिक कान्क्लेव' कई मायनों में बहुत ही विशिष्ट है, एक तो यह वैज्ञानिक कान्क्लेव है, दूसरा यह महिला शक्ति का वैज्ञानिक कान्क्लेव है और तीसरा यह युवा महिला वैज्ञानिक कान्क्लैव है।

आज के युग में विज्ञान में सबसे बड़ी शक्ति है। यह विज्ञान का युग है।

दूसरा आज सर्वोच्च शिखरों पर हमारी बेटियां और मातृशक्ति नेतृत्व कर रही हैं। यह महिला शक्ति का युग है। तीसरा इसमें युवा शक्ति जुड़ी है।

आज भारत हर शक्ति से पूण है। और आज का यह स्थान भी तीनों शक्तियों से पूर्ण है। विज्ञान की शक्ति, मातृशक्ति जिसे आप महिला शक्ति कहते हैं और तीसरी शक्ति है युवा शक्ति।

यह शिवजी के त्रिशूल की तीनों शक्तियों से पूर्ण कार्यक्रम है।

भारत भूमि मातृशक्ति की भूमि है। हमारे शास्त्रों में कहा गया है कि जहां नारी शक्ति होती है, वहां हर कार्य सफल होते हैं।

आज यहां सम्मानित महिला शक्ति ने हमें यह अहसास कराया है कि उत्तराखण्ड की नारी शक्ति भारत की नारी शक्ति क्या नहीं कर सकती है। हर एक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर सकती है। यह हर एक के लिए बहुत ही प्रेरणादायी है।

मैने अपने कार्यकाल की शुरूआत के दिन ही उत्तराखण्ड की मातृशक्ति के सशक्तिकरण के विज़न को सबसे ऊपर रखा था।

आज आपने दिखा दिया कि उत्तरखण्ड की मातृशक्ति हर क्षेत्र में आगे है। पहाडों में जो गांवों में हमारी माताएं – बहने – बेटियां मेहनत कर रही हैं, उनका भी हर एक काम एक लगन–मेहनत–हौंसलों और उनकी उड़ान को बताता है।

और आज इस स्थान पर हमने देखा है कि यहां जो भी बेटियां इस कान्क्लेव में भाग ले रही हैं उन सब पर हर एक उत्तराखण्डी को गर्व है। आप हमारे प्रदेश और देश की शान हैं।

आज यहां पर **'युवा महिला वैज्ञानिक एक्सीलेंस अवार्ड** और **'युवा महिला वैज्ञानिक अचीवमेंट अवार्ड'** प्राप्त करने वाली अपनी इन बेटियों को बहुत बहुत बधाई देता हूँ।

आज उत्तराखण्ड में यह देखकर बहुत खुशी होती है कि हर क्षेत्र में हमारी मातृशक्ति और हमारी बेटियां उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं।

शिक्षा, रोजगार, सहारिता, विज्ञान, तकनीकि, कौशल विकास हर एक क्षेत्र में हमारी मातृशक्ति और हमारी बेटियां बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। हमारी बेटियों की उपलब्धियां बहुत ही प्रभावशाली और प्रेरणादायी हैं।

जहां भी पहाडों में और दूर दराज के क्षेत्रों में जाता हूँ तो मुझे हर बार उत्तराखण्ड की नारी शक्ति का जोश, जज्बा और होंसला बहुत प्रभावित करता है, उनके होंसले अलग ही स्तर के हैं।

यूसार्क की निदेशक प्रो. अनीता रावत स्वयं एक महिला हैं और वे इस विज्ञान केन्द्र का नेतृत्व कर रही हैं यह उत्तराखण्ड की ताकत है। हमारी बेटियों की ताकत है।

मुझे बहुत खुशी है कि आज यहां अनेक विभागों के निदेशक, कुलपति गण, प्राध्यापक, विज्ञान के अनुसंधाता छात्र और ऐसे ही अनेक प्रतिभाशाली लोग उपस्थित हैं।

आप सभी किसी न किसी क्षेत्र में समाज का नेतृत्व कर रहे हैं। समाज को दिशा देने का काम कर रहे हैं। आप हमारी धारोहर के सच्चे प्रचारक हैं। आपसे यह यपेक्षा है कि भारत की

गौरवशाली विज्ञान परंपरा को जीवंत बनाएं इसे आने वाली पीड़ी के लिए उन्नत बनाएं ।

हम आज हर दिशा में स्वतंत्र हैं। स्वाधीन हैं। हमारी सोच भारत की सच्ची सोच होनी चाहिए। अब हमें अपनी नजरों से दुनिया को देखना और दिखाना है।

यहां जो हमारी युवा छात्राएं बैठी हैं, आप कल के हमारे विकसित भारत के सपनों को सच दिखाने के एम्बेसडर हैं। आप भारत की वास्तविक ज्ञान को दुनिया तक पहुचाएं।

आप सभी को विज्ञान एवं तकनीकि के क्षेत्र में भारत का नेतृत्व करना है।

यह बात बिल्कुल सच है कि विज्ञान ही है जो हमारे जीवन को सरल, सुगम और सहज बनाता है।

आज हम विज्ञान के उस युग में प्रवेश कर चुके हैं जिसके पास असीमित शक्तियां समाहित हैं। शक्तियों का यह सन्तुलन सभी की भलाई के लिए होना चाहिए।

विज्ञान, प्रौद्यौगिकी के क्षेत्र में हम बहुत लम्बे समय तक पश्चिम की ओर नहीं देख सकते और ना ही किसी की पराधीनता को स्वीकार कर सकते हैं।

विज्ञान पर किसी एक का विशेषाधिकार नहीं होना चाहिए। विज्ञान सभी के लिए और सभी जगह सर्व सुलभ होना चाहिए।

लोगों के जीवन को सरल बनाने के लिए आप सभी वैज्ञानिकों को अपना योगदान देना होगा।

हमें हर क्षेत्र में नेतृत्व स्वयं के हाथों में लेना होगा। हमारे पूर्वज अगर 1857 की क्रान्ति नहीं करते तो 1947 की स्वाधीनता संभव न होती ।

हमें हर क्षेत्र में क्रान्ति करनी होगी। विज्ञान, प्रौद्यौगिकी, मैनेजमैंट, आर्टिफिसियल इंटेलीजैंस, भारत की स्वाधीनता के बारे में नहीं सोचते तो

यह युग विज्ञान का है। विज्ञान की उच्चतम स्तर पर विज्ञान की पहुंच है। स्पेश साइंस, टैक्नालॉजी, कम्पूटर साइंस की एक नयी जनरेशन में हम प्रवेश कर चुके हैं।

भारत के वैज्ञानिक उन्नत बुद्धिमत्ता से परिपूर्ण हैं। जिस प्रकार हमने कोविड–टीके की खोज, उसके वितरण का मैनेजमैंट, और आपदा का मुकाबला किया है इससे यह बात पूरी तरह से साबित हो गयी है कि भारत के लोग हर क्षेत्र में महानतम उपलब्धियों को प्राप्त करने में सक्षम हैं दुनिया मे हमारा मुकाबला करने वाला कोई नहीं है।

आप सभी विज्ञान में आस्था रखने वाले उच्च बौद्धिक लोग हैं, आप सभी से मुझे एक बहुत ही विशेष आग्रह करना है और वह यह कि हम अपनी विरासत की महानता को सबके सामने लाएं।

आप जानते हैं कि गणित के क्षेत्र में भारत का क्या योगदान है, आप यह भी जानते हैं कि भारत की प्राचीन चिकित्सा व्यवस्था आज भी हजारों वर्षों बात उसी प्रकार से उपयोगी है जैसे कि हजारों वर्ष पहले हुआ करती थी।

मर्म चिकित्सा, योग, अयुर्वेद और इस सबकी आधार संस्कृत भाषा को गहराई से समझना होगा। इसमें हमारे नये अनुसंधान के गहरे आधार मिल लाएंगें।

मैं यूसर्क की निदेशक प्रो. अनीता रावत जी को हार्दिक बधाई देता हूँ कि आप विज्ञान और तकनीकी शिक्षा के सुदृढीकरण के लिए नये नये प्रयोग कर रहे हैं।

आप प्रदेश में रोजगार देने वाले कार्यों को प्रोत्साहित कर रही हैं। विज्ञान और प्रौद्योगिकी के बल पर प्रदेश के विकास की सोच रखती हैं।

ये कितनी अच्छी बात है कि आपने हर जनपद में Science, Technology, Engineering & Mathematics की प्रयोगशाला स्थापित की है। इस कार्य को आप और अधिक बढ़ा रही हैं इसके लिए मेरी बहुत बहुत शुभकामनाएं हैं।

छात्र–छात्राओं कोर्स संचालित कर रही हैं, शिक्षण सामग्री ऐप एवंयू–ट्यूब चौनल के माध्यम से निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध करायी जा रही है।

राज्य में शोध, नवचार, पर्यावरण संरक्षण, परम्परागत ज्ञान, विज्ञान एवं शिक्षा को बढ़ावा देने अल्मोड़ा में हरेला पीठ, कौशल विकास केन्द्र, टिशु कल्चर लैब को विकसित किया जा रहा है, हेण्ड्स ऑन ट्रेनिंग सर्टिफिकेट कार्यक्रम, वैज्ञानिक एवं पर्यावरण संरक्षण गतिविधियों का संचालन, 130 विज्ञान चेतना केन्द्रों का संचालन ये सब काम आपकी अच्छी सोच को प्रदर्शित कर रही हैं।

मेंटरशिप कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। महिला वैज्ञानिकों, विद्यार्थियों, अध्यापकों के प्रोत्साहन के ये वैज्ञानिक कार्यक्रम प्रसंशनीय हैं।

हमें अपनी योजनाएं हमेशा दूरवर्ती क्षेत्रों में निवास करने वाले लोगों को ध्यान में रख कर बनानी चाहिए।

आप ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों में वैज्ञानिक और पर्यावरणीय चेतना विकसित करने के कार्य कर रहे हैं।

महिला वैज्ञानिकों को जो सम्मान दिया जा रहा है, यह अपने आप में बहुत ही अनोखा काम है। इस कार्यक्रम की संकल्पना के लिए मैं बधाई देता हूँ।

मुझे आशा है कि आप सब विज्ञान के हर एक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करेंगे। आपके हर एक योगदान से प्रदेश को अग्रणी बनाने में निश्चित रूप से सफलता मिलेगी, हमारे देश कों देश और दुनिया में सम्मान प्राप्त होगा। याद रखें **हमारा सपना विश्वगुरू भारत है।**

आज के इस आयोजन के लिए मैं यूसर्क की निदेशक एवं उनकी टीम इस आयोजन के लिए हार्दिक बधाई देता हूँ।

जय हिन्द!